ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५२
दिनांक- मंगलवार,२ जुलाई,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३८.१ एवं २६.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.१ एवं दोपहर में ३६.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १०.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(३-७ जुलाई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३-७ जुलाई,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधी में उतर बिहार के जिलों के आसमान में मानसूनी बादल छाए रह सकते हैं। अगले २-३ दिनों के दौरान कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। उसके बाद मानसून की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है, जिसके प्रभाव से तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३१ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए तैयार मक्का फसल की कटनी, दौनी तथा दानो को सुखाने के कार्य में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य यथाशीघ्र समपन्न करें। धान की अगात किस्में जैसे- प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र नीलम एवं मध्यम अवधि की किस्में जैसे-संतोष, सीता, सरोज, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, कामिनी, सुगंधा उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं उसके लिए मौसम उपयुक्त है। बारिश का समय चल रहा है अतः किसान खेत को सूखने तक की प्रतिक्षा ना करें, बल्कि पानी लगे हुए खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के ४८ घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन १.० लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के १०-१५ दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम १०% एस० सी०) दवा का १०० मि० ली० प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से बीजोपचार कर बुआई करें।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०% छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- उचॉस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।
- बरसात के आरंभ में तापमान एवं नमी ज्यादा होने के कारण अठगोड़वा का प्रकोप पशुओं में बहुत अधिक होता है। यह अठगोड़वा थलेरियोसीस, ट्रिपैनोसोमिएसीस एवं बबेसियोसीस जैसे घातक रक्त परजीवी रोगो का वाहक होते है। इसलिए इस मौसम में इनके नियंत्रण के लिए आइवरमेक्टीन, फ्लूमेथ्रिन, अमितराज, इप्रिनोमेक्टीन दवाओं का प्रयोग करें। पशुओं के शरीर में दवा लगाने का काम सुबह या शाम में, जब धुप नहीं होता है, तभी करे। दवा लगाने के दो घंटे बाद पशुओ को ठंडे पानी से धो दे। दवा का प्रयोग पशु के सिर या गर्दन में नही करे। पशुओं में दवा लगाने के बाद उसी दिन ३० मि०ली० अमितराज या इप्रिनोमेक्टीन दवा को २ ली० पानी में घोल कर पशुगृह में छिड़काव अवश्य करें अथवा पशुगृह में सुखा चुना का घना छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.५ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.८ डिग्री सेल्सियस अधिक

नोडल पदाधिकारी